सत्यमेव जयते

SPEECH OF

THE HON'BLE GOVERNOR, TRIPURA

SHRI RAMESH BAIS

ON THE OCCASION OF

STATE LEVEL CELEBRATION OF

10TH NATIONAL VOTERS DAY, 2020

AT

RABINDRA SATABARSHIKI BHAWAN, HALL-2,

AGARTALA

ON

25TH JANUARY, 2020

Officers on the dais, Shri Sriram Taranikanti, Chief Electoral Officer, Tripura; Shri M L Dey, State Election Commissioner; Shri Samir Barman, Paralympics Champion and other officials, ladies and gentlemen, and my young friends. I am happy to be among all of you on this august occasion to celebrate Indian democracy.

The Election Commission of India, which is one of the pillars of Indian democracy, came into existence on 25th January, 1950. In the year 2011, the Election Commission declared that 25th January be celebrated as National Voters Day (NVD) each and every year throughout the Country in all Polling Stations, Assembly Constituencies, Sub-Divisional & District Head quarters and State Capitals & National Capital. Such celebration brings further awareness among the youth and the community to participate in the electoral process and also strengthens the democratic roots in the country.

Since then, 25th January has been observed as the National Voters' Day (NVD) throughout the Nation. It is an honour and privilege for me to participate in the observance of 10th National Voters' Day here in Tripura. The theme for this year's NVD is 'Electoral Literacy for Stronger Democracy'. The celebration of National Voters' Day is aimed to educate the citizenry to participate in large numbers towards enrolment in Electoral Roll

and in election process. It will also educate the Voters to make an informed choice while casting their votes. This will make universal adult franchise a true reality; thereby enhancing the quality of Indian Democracy.

Today, India's credibility as the largest democratic Nation is recognized world-wide. We are proud to say that since Independence, free and fair elections have been held at regular intervals as per the principles enshrined in the Constitution. The Election Commission of India has also equipped itself exceptionally well to conduct free and fair elections in the country and has stood the test of time. With various checks and balances we have a resultant effect of a thriving democracy.

On this august occasion, I would like to congratulate the State Election machinery for having successfully conducted Lok-Sabha Elections, 2019 and Bye- Election to 14- Badharghat Assembly Constituency. Prior to that, the Assembly polls in the State were also peacefully conducted in February 2018 in a free and fair manner.

The voter turnout also has witnessed an increasing trend over successive elections, and I am proud to be part of a State that has consistently witnessed high voter turnout. In the last Assembly election and the recent Lok-Sabha Elections, the voter turnout of 91.61% & 82.23% respectively are amongst the

highest in the Country. It won't be inappropriate to say that such mammoth turn out has happened due to the sheer dedication, zeal and continued efforts of officials from various departments coming together, working as a unit and overcoming challenges posed before them. The credit also goes to the active involvement of political parties, civil society organizations, media and the general public. I am hopeful that, given the public education programmes being undertaken by the election machinery and other stakeholders, Tripura will continue to maintain this high turnout record in future elections also.

In fact, Election Commission of India's goal is to build wider social support in favour of participatory democracy, and to promote and sustain it through education and voter participation. I would urge the civil society organizations and political parties to sensitize the people to adopt and encourage ethical voting during elections.

I am also confident that with the motto, 'No Voter to be left behind', the Election Commission and the State Election machinery will take a number of initiatives for awareness and build confidence among the voters. The Systematic Voter Education and Electors Participation (SVEEP) activities throughout the year are the right steps towards it.

As a part of updation of Electoral Rolls, the final Electoral Rolls with reference to 1st January 2020 as the qualifying date will be published on 07th February, 2020. I understand that the continuous updation will be taken up thereafter. It will also be my proud privilege to be then a part of the electoral Roll system of Tripura.

Over the years, the election machinery of the State has achieved several feats and has gained the confidence of Election Commission, the various stake holders and the people.

I am sure that in times to come, with all our efforts, Tripura will continue to maintain its distinct mark and contribute in its own way to the thriving democracy of this great Country.

JAI HIND

माननीय राज्यपाल, त्रिपुरा

श्री रमेश बैस

का

10 वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस, 2020

के अवसर पर

25 जनवरी, 2020 को

रवीन्द्र शतवार्षिकी भवन, अगरतला हॉल -2

में दिया जानेवाला भाषण।

मंच पर उपस्थित पदाधिकारी, श्री श्रीराम तरणिकांति, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, त्रिपुरा; श्री एम एल डे, राज्य चुनाव आयुक्त; श्री समीर बर्मन, पैरालिम्पिक्स चैंपियन और अन्य अधिकारियों, महिलाओं और सज्जनों एवं मेरे युवा दोस्तों। भारतीय लोकतंत्र का जश्न मनाने के लिए इस शानदार अवसर पर आप सभी के बीच आकर मुझे खुशी हो रही है।

2. भारत का चुनाव आयोग, जो भारतीय लोकतंत्र के स्तंभों में से एक है, 25 जनवरी, 1950 को अस्तित्व में आया। यह दिन मतदाता दिवस के रूप में पूरे देश के सभी मतदान केंद्रों, विधानसभा क्षेत्रों, उप-मंडल, जिला मुख्यालय, राज्य की राजधानियों और राष्ट्रीय राजधानी में मनाया जाता है। इस तरह के उत्सव युवाओं और समुदाय के बीच चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए जागरूकता लाते हैं और देश में लोकतांत्रिक जड़ों को भी मजबूत करते हैं।

3. त्रिपुरा में 10 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में भाग लेना मेरे लिए एक सम्मान और सौभाग्य की बात है। इस वर्ष के NVD के लिए विषय है 'मजबूत लोकतंत्र के लिए चुनावी साक्षरता'। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उत्सव का उद्देश्य नागरिकों को इलेक्टोरल रोल में नामांकन और चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने के लिए शिक्षित करना है। यह मतदाताओं को वोट डालने के दौरान सूचित विकल्प बनाने के लिए भी शिक्षित करेगा। यह सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार को एक वास्तविक वास्तविकता बना देगा; जिससे भारतीय लोकतंत्र की गुणवत्ता में वृद्धि होगी।

4. आज, सबसे बड़े लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में भारत की विश्वसनीयता को विश्वव्यापी मान्यता प्राप्त है। हमें यह कहते हुए गर्व है कि आजादी के बाद से, संविधान में निहित सिद्धांतों के अनुसार स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव नियमित अंतराल पर होते रहे हैं। भारत के चुनाव आयोग भी देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए असाधारण रूप से समय की कसौटी पर खरा उतरा है। विभिन्न जांचों और संतुलन के साथ, हमारे पास संपन्न लोकतंत्र का परिणाम है।

5. इस अवसर पर, मैं राज्य निर्वाचन मशीनरी को सफलतापूर्वक लोक सभा चुनाव, 2019 और बदरघाट विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र उपचुनाव के लिए बधाई देना चाहूंगा। इससे पहले, राज्य में विधानसभा चुनाव भी फरवरी 2018 में शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हुए थे।

6. मतदान में भी लगातार चुनावों के लिए एक बढ़ती प्रवृत्ति देखी गई है, और मुझे ऐसे राज्य का हिस्सा होने पर गर्व है जिसके नागरिक लगातार उच्च मतदाता बने हैं। पिछले विधानसभा चुनाव और हाल के लोकसभा चुनावों में, क्रमशः 91.61% और 82.23% मतदाता देश में सबसे अधिक हैं। यह कहना अनुचित नहीं होगा कि इस तरह के विशालतम बदलाव के कारण, एक इकाई के रूप में काम करने वाले विभिन्न विभागों के अधिकारियों के एक साथ काम करने और उनके सामने आने वाली चुनौतियों पर काबू पाने के सरासर समर्पण, उत्साह और निरंतर प्रयासों के कारण हुआ है। इसका श्रेय राजनीतिक दलों, नागरिक समाज संगठनों, मीडिया और आम जनता की सक्रिय भागीदारी को

भी जाता है। मुझे उम्मीद है कि, चुनाव मशीनरी और अन्य हितधारकों द्वारा किए जा रहे सार्वजनिक शिक्षा कार्यक्रमों को देखते हुए, त्रिपुरा भविष्य के चुनावों में भी इस उच्च मतदान रिकॉर्ड को बनाए रखेगा।

7. वास्तव में, भारत के चुनाव आयोग का लक्ष्य भागीदारी लोकतंत्र के पक्ष में व्यापक सामाजिक समर्थन का निर्माण करना है, और शिक्षा और मतदाता भागीदारी के माध्यम से इसे बढ़ावा देना और बनाए रखना है। मैं नागरिक समाज संगठनों और राजनीतिक दलों से आग्रह करूंगा कि चुनाव के दौरान नैतिक मतदान को अपनाने और प्रोत्साहित करने के लिए लोगों को संवेदनशील बनाएं।

8. मुझे यह भी विश्वास है कि चुनाव आयोग और राज्य चुनाव मशीनरी जागरूकता के लिए कई पहल करेंगे और मतदाताओं में विश्वास पैदा करेंगे। Systematic Voter Education and Electors Participation (SVEEP) साल भर की गतिविधियाँ इसकी दिशा में सही कदम हैं।

9. इलेक्टोरल रोल्स के अपडेशन के एक भाग के रूप में, अंतिम इलेक्टोरल रोल 1 जनवरी 2020 क्वालीफाइंग तिथि 07 फरवरी, 2020 को प्रकाशित की जाएगी। मैं समझता हूं कि निरंतर अपडेशन को इसके बाद भी जारी रखा जाएगा। यह त्रिपुरा की मतदाता सूची का एक हिस्सा होने के लिए मेरा गौरवपूर्ण विशेषाधिकार भी होगा।

10. मुझे यकीन है कि आने वाले समय में, हमारे सभी प्रयासों के साथ, त्रिपुरा अपनी अलग पहचान बनाए रखेगा और इस महान देश को संपन्न लोकतंत्र बनाने में अपने तरीके से योगदान देगा।

जय हिन्द !